समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 25 August 2026

नालंदा के शीतला मंदिर मे भंगदड़ : कई लोगों की मौत, दर्जनों घायल, प्रशासन पर उठे सवाल

Sanket Morankar Published on 31 Mar 2026

नालंदा जिले के एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थल शीतला मंदिर में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब भारी संख्या में जुटे श्रद्धालुओं के बीच अचानक भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। इस दर्दनाक हादसे में कई लोगों की जान चली गई, जबकि दर्जनों लोग घायल हो गए हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई है और प्रशासन की तैयारियों पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

यह हादसा उस समय हुआ जब मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। त्योहार और धार्मिक आस्था के चलते सुबह से ही मंदिर परिसर में भीड़ बढ़ती जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अचानक किसी अफवाह या धक्का-मुक्की के कारण लोगों में घबराहट फैल गई, जिसके चलते भगदड़ मच गई। लोग एक-दूसरे पर गिरते चले गए और बाहर निकलने का रास्ता न मिलने से स्थिति और भी भयावह हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची। राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू किया गया। घायलों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। प्रशासन ने सभी अस्पतालों को अलर्ट पर रखा है और घायलों के इलाज के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मंदिर परिसर में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। प्रवेश और निकास के रास्ते संकरे थे, जिससे भीड़ का दबाव बढ़ गया। कई लोगों ने आरोप लगाया कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से नाकाफी थी और भीड़ प्रबंधन में लापरवाही बरती गई।

इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि हर साल इस मौके पर भारी भीड़ जुटती है, इसके बावजूद प्रशासन ने उचित व्यवस्था नहीं की। अगर समय रहते भीड़ को नियंत्रित किया जाता और पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात होते, तो इस हादसे को टाला जा सकता था।

बिहार सरकार ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया है और मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे की घोषणा की है। साथ ही घायलों के इलाज का पूरा खर्च सरकार द्वारा उठाने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं और संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी गई है।

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। हर साल इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं, जिनमें कई निर्दोष लोगों की जान चली जाती है। इसके पीछे मुख्य कारण होता है—अपर्याप्त योजना, सुरक्षा व्यवस्था की कमी और आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए तैयारी का अभाव।

इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हमारे धार्मिक स्थलों पर भीड़ नियंत्रण के लिए पर्याप्त आधुनिक तकनीक और संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है? सीसीटीवी, बैरिकेडिंग, अलग-अलग प्रवेश और निकास मार्ग, और प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों की तैनाती जैसे उपाय ऐसे हादसों को रोकने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

फिलहाल प्रशासन द्वारा पूरे मामले की जांच की जा रही है। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए विशेष टीम गठित की गई है। अधिकारियों का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

इस दुखद हादसे ने न केवल कई परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है, बल्कि यह भी याद दिलाया है कि धार्मिक आस्था के साथ-साथ सुरक्षा व्यवस्था को भी उतनी ही गंभीरता से लेना आवश्यक है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.